1990-91 :

इस संबंध में कुल 91 शिकायतें निम्नलिखित से प्राप्त हुई हैं :—

(1) नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन, (2) पंजाब स्टेट विद्युत बोर्ड, (3) राजस्थान स्टेट विद्युत बोर्ड, (4) महाराष्ट्र स्टेट विद्युत बोर्ड, (6) दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान और (7) गुजरात विद्युत बोर्ड ।

1991-92

इस संबंध में कुल 110 शिकायतें निम्नलिखित से प्राप्त हुई :—

(1) गुजरात विद्युत बोर्ड (उकाई) (2) गुजरात विद्युत बोर्ड (सिक्का), (3) पंजाब स्टेट विद्युत बोर्ड (जी०एन०डी० टी०पी०), (4) कोटा थर्मल पावर प्रोजेक्ट (कोटा) और (5) कर्नाटक पावर कंपनी (रायचूर) ।

(ग) कोयला नियंत्रक के कार्यालय के कार्यक्षेत्र के अधीन कोयला सीमों के ग्रेड को शिकायतों के आधार पर घटाए जाने संबंधी का कार्य आता है । तद्नुसार वर्ष 1989-90 तथा वर्ष 1990-91 के दौरान दर्जा घटाई गई कोयला सीनों की संख्या क्रमशः 3 तथा 27 रही । हाल के वर्ष की शिकायत जांचाधीन हैं ।

बिहार में कोयला परियोजनाएं

1650. श्री राम सिंह राठवा : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार को बिहार में कोयले का कुल कितना भंडार होने का अनुमान है ;

(ख) उसका जिला-वार ब्यौरा क्या है ;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान सरकार ने कौन-कौन सी परियोजनाएं आरंभ की हैं तथा कौन-कौन सी परियोजनाएं उसके विचाराधीन हैं ;

(घ) चालू परियोजनाओं में कितनी प्रगति हुई है ;

(ङ) क्या यह प्रगति सरकार द्वारा निर्धारित योजनाओं और कार्यक्रमों के अनुसार नहीं है ; और

(च) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस०बी० नयमेगौड़ा) : (क) और (ख) बिहार के विभिन्न कोयला क्षेत्रों में 1200 मीटर की गहराई तक कोयले के कुल 64063.85 मिलियन टन के भंडार होने का अनुमान लगाया गया है । बिहार राज्य के कोयला भंडारों का राज्यवार वितरण निम्नलिखित हैं :—

(आंकड़े मिलियन टन में)

राज्य	कोयला भंडार
1. हजारीबाग	22343.21
2. पालामू	3765.26
3. रांची	700.53
4. धनबाद	21396.00
5. देवगढ़	399.85
6. गिरीडीह	5054.86
7. गोड्डा	6643.89
8. दुमका	3710.25
9. भागलपुर	50.00
जोड़ :	64063.85

(ग) बिहार में वर्ष 1989-90 के दौरान 13, 1990-91 में 12 तथा 1991-92 के दौरान अक्तूबर, 1991 तक 3 और कोयला खनन परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई । 10 नई कोयला खनन परियोजनाएं सरकारी स्तर पर अनुमोदन के लिए मूल्यांकन तथा समीक्षाधीन हैं ।

(घ) से (च) बिहार राज्य में 2 करोड़ रु० तथा इससे अधिक की लागत की वर्तमान में 73 परियोजनाएं क्रियान्वयन अधीन हैं । इन परियोजनाओं में से 42 परियोजनाएं कार्यक्रम के अनुसार चल रही हैं और 31 परियोजनाओं के क्रियान्वयन में विलंब हुआ है । इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में विलंब होने के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं—भूमि अधिग्रहण तथा भू-विचित

व्यक्तियों के पुनर्वास कार्य में विलंब, उपकरणों की आपूर्ति में विलंब, भू-खनन परिस्थितियों, आदि कठिनाई ।

विदेशी फर्मों को दिए गए ठेके

1651. **श्री राम सिंह राठवा :** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान देश में कोयला क्षेत्र में विदेशी फर्मों को कितने ठेके दिए गए ;

(ख) कितने ठेके पूरे किए जा चुके हैं और कितने चालू हैं ;

(ग) क्या सरकार ने इनके कार्यों की समीक्षा की है और उन्हें संतोषजनक पाया है ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) सरकार विदेशी फर्मों के बजाए भारतीय फर्मों को ये ठेके दिए जाने के लिए क्या प्रयास कर रही है ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस०बी० नयमेगौड़ा) : (क) गत दो वर्षों के दौरान कोयला क्षेत्र में विदेशी फर्मों को 23 ठेके दिए गए ।

(ख) उपर्युक्त 23 ठेकों में से 8 ठेके निष्पादित कर दिए गए हैं तथा शेष 15 के ठेके चल रहे हैं ।

(ग) और (घ) इन ठेकों के कार्य की प्रगति की गहन समीक्षा समय-समय पर कोयला कंपनी और सरकार के स्तर पर की जाती है । इन ठेकों की कार्य की प्रगति सामान्यतः संतोषजनक पाई गई है ।

(ङ) नई प्रौद्योगिकी को शुरू किए जाने तथा उत्पादन, उत्पादकता, सुरक्षा में सुधार करने तथा कोयला को उच्चतर दर पर अधिप्राप्ति करने के लिए ऐसी विशेषज्ञता वाले अन्य देशों से चुनिंदा द्विपक्षीय सहयोग प्राप्त किया जाता है जब सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाती है कि आयात के लिए प्रस्तावित प्रौद्योगिकी और उपकरण देश में उपलब्ध नहीं हैं तथा यह कि सहयोगी देश द्वारा वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही हो ।

कोयला "वाशरियों" में सुधार

1652. **श्री राम जेठमलानी :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में अच्छी किस्म का कोयला उपलब्ध न होने के कारण कई संस्थानों से कोयले का आयात करना पड़ता है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि अच्छी किस्म का कोयला देश में उत्पादित नहीं किया जा सकता है ;

(ग) यदि नहीं, तो विगत वर्षों से कोयले की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए कोयला वाशरियों में क्या-क्या सुधार किए गए हैं ;

(घ) इन कोयला "वाशरियों" में सुधार और विकास के लिए चालू वर्ष के दौरान क्या कदम उठाए जा रहे हैं ; और

(ङ) मार्च, 1991 के दौरान देश में कोयला "वाशरियों" में अधिकतम और न्यूनतम कितने प्रतिशत राख सहित कोयला उत्पादन करने की क्षमता थी ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस०बी० नयमेगौड़ा) : (क) जी, हां । इस्पात मंत्रालय के अनुसार इस्पात संयंत्रों द्वारा कोयले का आयात केवल गुणवत्ता के आधार पर ही किया जाता है ।

(ख) अच्छे गुणवत्ता वाले उच्च ग्रेड के कोयले के भंडार देश में कोयले के कुल भंडार देश में कोयला के कुल भंडारों के के लगभग 12.5 प्रतिशत होने का अनुमान है । अधिकांशः अच्छे गुणवत्ता